DLA

नई दिल्ली, बुधवार, 5 मई, 2010 मूल्य 2/- वर्षः 2 अंकः 322

रबड़ महंगी होने से बढ़ेंगे टायर के दाम

DLA News

नई दिल्ली। हाल में ही बढ़ी टायरों की कीमतों में एक बार फिर उछाल आने वाला है। इस बार कीमतें 25 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। दरअसल, टायर बनाने वाली सभी कंपनियों ने अपने दामों को 25 फीसदी तक बढ़ाने का मन बना लिया है। इसका मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बाजार में रबड़ की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि है।

कंपनियां टायर की कीमतों में 25 फीसदी वृद्धि को तैयारी

नेच्युरल रबड़ की कीमतों में हुई है 170 फीसदी की वृद्धि

गौरतलब है ऑटोमोटिव टायर निर्माता संघ (एटीएमए) पिछले दिनों रबड़ पर आयात शुल्क घटाने को लेकर प्रधानमंत्री से मिला था। लेकिन इस वार्ता के बाद भी उनकी समस्याओं का हाल नहीं निकला। टायर उद्योग काफी पहले से सरकार से आयात होने वाली रबड़ पर 20 फीसदी शुल्क घटाने और कमॉडिटी बाजार में नेचुरल रबड़ के कारोबार को बंद करने की मांग कर रही है। पिछले एक साल में नेचुरल रबड़ की कीमतों में 150 फीसदी प्रतिकिलो की वृद्धि हुई है और अब यह 170 फीसदी तक बढ़ चुकी है।

रबड़ के दाम बढ़ने से टायर उद्योग ज्यादा समय तक सस्ता माल बेचकर घाटा नहीं सह सकता। एटीएमए और भारतीय साइकिल और रिक्शा टायर उत्पादन संघ ने कहा है कि कई टायर निर्माता दाम बढ़ा चुके हैं। जबकि अन्य कंपनियां भी जल्द ही दाम बढ़ाने वाली हैं। कश्मीरी गेट और करोल बाग दोनों ही टायर के बड़े मार्केट हैं। बढ़ी कीमतों से मांग कम होने के कारण इन बाजारों पर काफी असर पड़ेगा।